Subject: **Cable new policy effect on cable opertor**
To: arvind@trai.gov.in
Cc: vk.agarwal@trai.gov.in

Date: 09/05/19 08:51 AM
From: the_galaxy <the_galaxyjaipur@yahoo.co.in>

सेवा मे,
श्रीमान शर्मा जी
माननीय चेयरमैन साहब
टी.आर.ए.आई ।

विषय :- टैरिफ 2017 के लागू होने के पश्चात से केबल आपरेटरों को हो रहे भारी नुकसान ओर टैरिफ 2017 मे संशोधन के संदर्भ में।

मान्यवर,
सादर नमस्कार मै पेशे से केबल ऑपरेटर हूँ। ओर केबल ऑपरेटर्स की संस्था ALCOA INDIA का सदस्य भी हूँ
महोदय मै आपका ध्यान ईस ओर आकर्षित करवाना चाहता हूँ कि आपने जो ये प्रयोग टैरिफ 2017 के रूप मे किया है।
ये कितना सफल/असफल हुआ आप के पास आंकड़े आ ही रहे होंगे।
मगर ईसमे केबल ऑपरेटरों के साथ क्या हुआ है ये जानना भी आवश्यक है।
महोदय ये केबल व्यवसाय हम केबल ऑपरेटरों ने अनेक वर्षों से अपने खून पसीने से सींचकर कई हजार करोड़ का ऐसे ही नहीं बनाया बल्कि जनता/ उपभोक्ताओं के साथ हमारे व्यवहार ओर आपसी तालमेल का भी नतीजा है। हमने भाभी जी, बहनजी, माताजी बोलकर व्यवहार बनाया है ओर आज आपके टैरिफ रुपी प्रयोग से हमारे ईस व्यापार पर व्यवहार पर ओर आपसी तालमेल पर ग्रहण लग गया है।
महोदय ईस टैरिफ 2017 के लागू होने के पश्चात से जितना नुकसान केबल ऑपरेटरों का हुआ है ओर किसी का नही हुआ।
महोदय मेरे खुद के नेटवर्क के हालात/आंकड़े मै ईस पत्र के साथ संलग्न कर रहा हूँ जिसमे कि लगभग 60% उपभोक्ताओं ने केबल देखना बंद कर दिया है क्योंकि उपभोक्ताओं का मासिक बिल डेड-दोगुना अधिक हो गया जिससे कि उपयोक्ताओं ने जिनके घरों मे 2-3 टी.वी चलते थे वो अब सिर्फ एक टी.वी तक सीमित रह गए हैं। जिससे हम लोगो का वितिय संतुलन ईतना गड़बड़ा गया कि हम लोग अपने 20-20 वर्ष पुराने कर्मचारियों को नौकरी से निकालने पर मजबूर हो गए ओर ईसके चलते उपभोक्ताओं को पूर्ण रुप से सेवा देने मे भी नाकाम होने लगे।
ओर ये सब आपके टैरिफ 2017 की मारक क्षमता का असर है जिसका प्रयोग सीधे-सीधे केबल ऑपरेटरों को लक्ष्य बना रहा है।
महोदय आपने इन्द्रदेव बनकर अपने राहू (टैरिफ2017) को हमारा (केबल ऑपरेटरों का) ग्रास बनाने का आदेश दे दिया है जिसका वो राहू (टैरिफ) पालन भी कर रहा है ओर हम लोगों को तिल तिल ग्रास बना रहा है।

महोदय मै आपका ध्यान ईसलिए भंग करना चाह रहा हूँ कि मेरे संज्ञान मे आया है कि आप एक ओर नया प्रयोग करने जा रहे हैं मतलब अपने पुराने प्रयोग मे संशोधन करने जा रहे हैं।
क्योंकि मोजूदा प्रयोग के पश्चात जो नतीजे निकलकर आए ईससे
आपको उपभोक्ताओं के मनोरंजन) मासिक शुल्क की चिंता तो सता रही है मगर केबल ऑपरेटरों की नहीं।
आपकी ईस चिंता ने हम लोगों की चिंता ओर बढा दी है कहीं आपकी ये चिंता केबल ऑपरेटरों की चिता न बन जाए जैसा कि अनेक मामलों मे हो भी चुका है।
महोदय ये हम भी मानते हैं कि समस्या विकट हो चुकी है ओर आपने उसपर सुझाव भी मांगे हैं।

तो महोदय ईसपर मेरा सुझाव ईस प्रकार है कि :-
(1) ईस व्यवसाय पर से GST जो 18% है उसको कम करके 5% किया जाना चाहिए क्योंकि यदि उपभोक्ताओं का मासिक शुल्क 350 रु.बनता है तो उस पर 18% GST
मिलाकर 411 रुपये हो जाता है।
जो कि उपभोक्ताओं की पहुंच से पार हो जाता है।
(ईस संदर्भ मे मैने GST Council ओर pmo को भी निवेदन किया है कृपया trai भी प्रयास करे तो अमल मे लाया जा सकता है)
(2) 15% कैपिंग जिसको आधार बनाकर ये टैरिफ 2017 लाया गया आप ईस संदर्भ मे बेहतर जानते हैं कि ईसके लागू होने पर किस प्रकार व्यवसाय जगत को कितना फायदा हो सकता है। यदि trai 15% कैपिंग नही ला पाई तो ईस टैरिफ का औचित्य स्वत: खत्म हो जाता है।
(3) चैनलो का मूलय निर्धारण सरकार द्वारा किया जाए ओर अधिकतम 19 रुपये से हटाकर 5 रुपये होना चाहिए।
ये 19 रुपये का निर्धारण ही ईस व्यवसाय की कमर तोड़ रहा है।
जिसके चलते उपभोक्ताओं का मासिक शुल्क उनकी पहुँच से बाहर हो जाता है। ओर वो 2-3 टीवी से 1 पर आ गए हैं।
(4) ईस टैरिफ 2017 में केबल ऑपरेटर्स जो ईस व्यवसाय का सबसे अहम सतंभ हैं ईसपर पूरा ध्यान नही दिया गया हालांकि दूसरे-तीसरे ncf मे थोड़ी राहत मिलती है मगर ये भी पूरा ncf केबल ऑपरेटर्स का होना चाहिए था जब केबल ऑपरेटरों को कुछ बचेगा ही नहीं तो उपभोक्ताओं को सेवाऐं कैसे दे पाएंगे।
(5) यदि आप पुराने ढर्रे पर वापिस जाना चाहते हैं तो लौट सकते हैं।
जहाँ आपरेटरों का शोषण तो हो रहा था मगर धक्का स्टार्ट वाहन की तरह ही सही कुछ तो व्यवसाय चल रहा था।
उपभोक्ताओं को सस्ता मनोरंजन भी मिल ही रहा था।
मगर अब तो हमारे उपरोक्त व्यवसाय मे ब्रेक लग चुकी है ।
महोदय आपने जो ये ईतना भयंकर प्रयोग ईस केबल व्यवसाय जगत के साथ किया है। उसका सबसे अधिक असर केबल आपरेटरों को पर पड़ा है।
महोदय मै अपने नेटवर्क के ताजा हालात अपने पोर्टल /ओ.वाई.सी.
से निकाल ईस पत्र के साथ साझा कर रहा हूँ।
महोदय मै सिटी नेटवर्क ओर ईन डिजिटल की लाईन चलाता हूँ ।

ईन डिजिटल जिसमे 344 बाक्स बंद हैं और 169 चालू है |
ओर सिटी नेटवर्क जिसमें 536 बाक्स बंद हैं ओर 412 चालू है।
कुल मिलाकर 1461 बाक्स मे से।
880 बाक्स बंद हैं ओर
581 चालू हैं ।
संज्ञान रहे ये किसी प्रकार की मंदी का असर नही बल्कि आपके उस टैरिफ रुपी प्रयोग का असर है।
जिस कारण हम आपरेटरों को अपने आफिस बंद करने पड़ रहे हैं।

बिजली का बिल नही भर पा रहे कर्मचारियों को काम से निकालना पड़ रहा है जिसका सीधा असर हम लोगों के घरों के चूल्हे पर तो पड़ ही रहा है। साथ ही हम लोग कर्मचारियों की कमी के रहते उपभोक्ताओं को सेवाएं देने मे असमर्थ हो रहे हैं।
महोदय जो ये हालात मै आपसे साझा कर रहा हूँ यही हालात देशभर के सभी आपरेटरों के हैं।

क्यूँ दी जाती है हर बार हमे,अन्जानी सी सजा।
पूछ सकते हैं साहब, आखिर हमारा कुसूर क्या है।

महोदय आपसे नम्र निवेदन है कृपया उपरोक्त बातों को ध्यान मे रखकर ही कोई संशोधन करें।

अन्यथा उन बातों को बल मिलेगा जो कि जो कि एक रसूखदार को फायदा पहुंचाने के लिए 60 हजार केबल आपरेटरों ओर लगभग 2.50 लाख कर्मचारियों ओर हम सबके परिवारों को आग मे झोंक दिया गया।
धन्यवाद महोदय

सेवा प्रदाता /केबल आपरेट

Sanjeev jain

from Sanjeev Jain